नमूना प्रश्न

हिन्दी 'ब' (कोड संख्या - 085)
कक्षा - दसवीं एस ए - 2 (2014-15)

	खंड - 'क'	
प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्याननूर्वक पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** 'गंगे तव दर्शनात् मुक्ति' मानने वाले इस देश के लोग कहने लगे हैं कि इस नदी का पानी अब आचमन तो छोड़िए, छूने और नहाने लायक भी नहीं रह गया है। रोग - दोष से मुक्ति दिलाने वाली आज स्वयं रोगों से युक्त है। इसका अमृत - तुल्य जल विषैला होता जा रहा है। कारणों को अगर जानने का प्रयास करें तो वो कुछ इस प्रकार हैं। सर्वप्रथम कारण है धार्मिक अनुष्ठानों के अपविष्ट, औद्योगिक कचरा और नालों की गंदगी आदि का बिना किसी रोकथाम या उपचार के गंगा मे डाला जाना। एक अनुमान के अनुसार गंगा में प्रतिदिन दो अरब लीटर गंदगी किसी न किसी रुप में डाली जाती है। समस्या का दूसरा पक्ष यह है कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व इस नदी को सचेत ढंग से नष्ट करने में जुटे हैं। इसके प्राकृतिक स्वरुप को नुकसान पहुँचाया जाता रहा। बालू निकालने की होड़ ने नदी के किनारों को नष्ट किया जाता रहा। बिजली उत्पादन के लिए बड़े - बड़े बांध बनाए जाते रहे। लालच का असर सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों तक हो गया है। गंगा के पानी के मूल स्रोत पहाड़ी सोते और झीलें नष्ट होते गए और तो और खुद गंगा का उद्गम गोमुख ग्लेशियर भी साल-दर-साल सिकुड़ता जा रहा है। जैव विविधता एक तरह से खत्म ही हो चली है। वैसे, गंगा को बचाने की कोशिशें भी की जा रही हैं। धार्मिक और स्वयंसेवी संगठनों से लेकर सरकार के स्तर तक गंगा को साफ-सुथरा रखने की कई कोशिशें की गई, लेकिन वे फलदायी साबित नहीं हुई। गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए 1986 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने गंगा एक्शन प्लान बनाया। इसमें सफलता न मिल पाने के कारण सन 2000 मे इसे वापस ले लिया गया। आठवीं पंचवर्षीय योजना में गंगा एक्शन प्लान-2 के तहत 29,225.95 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। फरवरी 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नेशनल गंगा खिर बेसिन ऑथरिटी का गठन किया गया था। करोडों रुपए खर्च भी हो गए लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकला। तमाम असफलताओं के बावजूद उम्मीद तो की ही जा सकती है। लोकलुभावने नारों भर से यह काम नहीं होने वाला। बहुमुखी योजनाएँ बनानी होगी, नदी का प्राकृतिक स्वरुप लौटाना होगा। सुनिश्चित करना पड़ेगा कि गंदगी गंगा में न जाए। खनन पर रोक लगानी होगी और बांध बनाने से बचना होगा। बैराजों मे कम से कम 30 फीसदी पानी हमेशा रखना पड़ेगा ताकि पानी का प्रवाह बना रहे और प्रदूषण न बढ। गंगा किनारे की कृषि योग्य जमीन पर ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने जैसे उपाय करने होंगे। संक्षेप में कहें तो गंगा को सफाई के साथ-साथ स्वतंत्रता की भी	12

	जरूरत है। **<u>SA - लघूत्तरात्मक : 2 अंक</u>** (क) हमारे देश में गंगा के संदर्भ में क्या धार्मिक मान्यताएँ हैं? (ख) इस नदी की दुर्दशा के लिए कौन-कौन से कारण उत्तरदायी हैं? (ग) गंगा की स्वच्छता के लिए अब तक सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं? (घ) गंगा को पुनः पावन व निर्मल बनाने के लिए क्या प्रयास करने होंगे? (ड.) उपरोक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। शीर्षक के चुनाव का कारण भी लिखिए। (च) 'मुक्ति' शब्द का विलोम और पर्याय शब्द लिखिए।	 2 2 2 2 2 2
प्रश्न 2	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए** – जग में कितने वैज्ञानिक, कितने नीतिकार, वक्ता, पंडित, ज्ञानी-ध्यानी, इतिहासकार, दार्शनिक हजारों और सुधारक घर-घर में, ये राजनीति के पंडे-मीलों की कतार! रॉकेट से हमने यह अनंत नभ चीर लिया, बिजली के पंखे में है बंद समीर किया, कर लिया काल को कैद, घड़ी के डायल में, रेडियो बना-वाणी पर पाया स्वाधिकार! हिमगिरि का मस्तक फोड़ दिया अभियानों से, दी छील समुद्रों की छाती जलयानों से, दी बाँध बल्ब में ज्योति सूर्य, शशि, तारों की- रे, धन्य मनुज की बुद्धि, बुद्धि का चमत्कार! पैनी आँखों से भेद लिए अणु के रहस्य, रच टेलिविजन बस में कर डाले दूर-दृश्य, लो, चंद्र-विजय के लिए उड़ चले धरती से- अब देश-काल के स्वामी हैं हम शक्ति -सार! हम सब साधन-संपन्न, किंतु मन चिर दरिद्र! रे, कहाँ रहेगा तेल, दीप के तले छिद्र! हो रही सभ्यता आज घड़ा शिव-मंदिर का, रे बूँद - बूँद कर, बहा जा रहा रस अपार! **<u>SA - लघूत्तरात्मक : 2 अंक</u>** (क) कवि द्वारा मनुष्य की बुद्धि को धन्य कहने के कारणों को स्पष्ट किजिए	8 2 2

	(ख) कवि की पीड़ा के क्या कारण हैं? स्पष्ट कीजिए। (ग) 'हम सब साधन-संपन्न किंतु मन चिर दरिद्र' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? (घ) मानव ने किस प्रकार धरती, आकाश, प्रकाश, वायु, जल आदि को अपने नियंत्रण में कर लिया है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	2 2
	खण्ड 'ख' **VSA - अतिलघूत्तरात्मक: 1 अंक**	
प्रश्न 1	(क) कोई शब्द कब पद कहलाता है, स्पष्ट कीजिए। (ख) गुनगुन ने मधुर गीत सुनाया। (विशेषण पद छाँटकर लिखिए)।	1 1
प्रश्न 2	**निर्देशानुसार पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए** – (क) जो बुद्धिमान होते हं, उनका सब आदर करते हैं। (रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए)। (ख) 'देव बीमार है। वह विद्यालय नहीं गया।' इन वाक्यों से एक मिश्रित वाक्य बनाइए। (ग) जब रात हुई तो चाँद ने निकलकर अंधकार का नाश किया। (संयुक्त वाक्य मं बदलकर लिखिए)	 1 1 1
प्रश्न 3	(क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए – सत्याग्रह, मृगलोचन (ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए – आठ अध्यायों का समूह, विधि के अनुसार	1+1=2 1+1=2
प्रश्न 4	निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए – (क) आम के पड़ों पर कोयल कूक रही है। (ख) ज्योति देर में सोकर उठती है। (ग) हमको और तुमको माता जी ने बुलाया है। (घ) सज्जन व्यक्ति किसी को परेशान नहीं करते।	 1 1 1 1
प्रश्न 5	(क) मोहित का कक्षा में प्रथम आना बिल्कुल ऐसा था, जैसे .....गई हो, क्योंकि उसने मेहनत तो की नही थी। (उचित मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें) (ख) 'दाँतों पसीना अपना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।	1 1
	खण्ड 'ग'	
प्रश्न 1	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **SA - लघूत्तरात्मक : 2 अंक** (क) लेफ़्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ सारे हिंदुस्तान में एक लहर-सी दौड़ गई है? 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (ख) लेखक ने झन परम्परा के अनुसार चाय पीने के बाद खुद में क्या परिवर्तन महसूस किया?	 2 2

	<u>VSA - अतिलघूत्तरात्मक: 1 अंक</u> (क) निदा फ़ाजली की पत्नी ने किनसे तंग आकर खिड़की में जाली लगवाई?	1
प्रश्न 2	**<u>LA - दीर्घउत्तरात्मक : 5 अंक</u>** प्रकृति के प्रति पहले और अब के हमारे रवैये में क्या अंतर आ गया है? हमारे व्यवहार में आए इस परिवर्तन का प्रकृति पर क्या प्रभाव पड़ा है? 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।	5
प्रश्न 3	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** गाँधी जी कभी आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे बल्कि व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर पर चढ़ाते थे। वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे इसलिए सोना ही हमेशा आगे आता रहता था। व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते है। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते है। खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है। **<u>SA - लघूत्तरात्मक : 2 अंक</u>** (क) ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कोमत बढ़ाने का आशय स्पष्ट कीजिए। (ख) व्यवहारवादी लोगों ने समाज को गिराया है, कैसे? स्पष्ट कीजिए। **<u>VSA - अतिलघूत्तरात्मक: 1 अंक</u>** (क) इस गद्यांश में सबसे महत्वपूर्ण बात क्या बताई गई है?	2 2 1
प्रश्न 4	**<u>SA - लघूत्तरात्मक : 2 अंक</u>** (क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता भारतीयों को क्या संदेश देती है? (ख) 'मनुष्यता' कविता के आधार पर बताइए कि मनुष्य होने की असली पहचान क्या है? **<u>VSA - अतिलघूत्तरात्मक: 1 अंक</u>** (क) बिहारी के दोहों के आधार पर बताइए कि गोपियां श्री कृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा लेती हैं?	2 2 1
प्रश्न 5	**<u>LA - दीर्घउत्तरात्मक : 5 अंक</u>** 'रवींद्रनाथ ठाकुर की 'आत्मत्राण' शीर्षक कविता अन्य प्रार्थना गीतों से अलग है।' कथन की पुष्टि में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।	5
प्रश्न 6	**<u>LA - दीर्घउत्तरात्मक : 5 अंक</u>** विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए पाठ 'सपनों के से दिन' में दंड देने व सख्ती बरतने की बात दिखाई देती है। आप इसे कहाँ तक उचित अनुचित मानते हैं, तर्क सहित उत्तर दीजिए।	5

	खण्ड – 'घ' **LA - दीर्घउत्तरात्मक : 5 अंक**	
प्रश्न 1	दिए गए संकेत – बिंदुओं के आधार पर लगभग 80–100 शब्दों में किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। (क) मधुर वचन हैं औषधि • वाणी की मधुरता सबको प्रिय • मधुर वाणी एक वरदान • प्रभाव • आवश्यकता (ख) आधुनिक नारी की दोहरी भूमिका • दोहरे दायित्व को निभाना • नौकरी और परिवार • स्वावलंबन • पुरुष का सहयोग आवश्यक (ग) ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ता खतरा • विषय का तात्पर्य • दुष्प्रभाव • मानवीय हस्तक्षेप का प्रभाव • बचाव हेतु सुझाव	5
प्रश्न 2	विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी पत्रिकाएँ मंगवाने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए।	5
प्रश्न 3	आपके विद्यालय की वार्षिक पत्रिका के लिए रचनाओं की आवश्यकता है। इसके लिए विद्यालय के सूचना पट्ट पर रचनाएँ आमंत्रित करने हुए सूचना लिखें।	5
प्रश्न 4	मोबाइल की आवश्यकता के बारे में पिता और पुत्र के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों मे लिखिए।	5
प्रश्न 5	आपकी रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। अपनी दुकान के प्रचार के लिए 20–25 शब्दों मे एक विज्ञापन तैयार कीजिए।	5